Printed from
नवभारत टाइम्स
Navbharat Times - Breaking news, views. reviews, cricket from across India

'मेट्रो में पुरुषों को मिले अलग कोच'

3 Dec 2010, 0200 hrs IST, नवभारत टाइम्स

प्रमुख संवाददाता

नई दिल्ली।। पुरुषों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे एक संगठन ने अब मेट्रो में पुरुषों के लिए अलग कोच की मांग की है।

संगठन का कहना है कि मेट्रो में पुरुष यात्री सुरक्षित नहीं हैं इसलिए उनके लिए अलग से कोच रिजर्व होना चाहिए। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी), पीएमओ, रेलवे मंत्रालय और गृह मंत्रालय को इस संबंध में ज्ञापन भेजकर कहा गया है कि डीएमआरसी पुरुष यात्रियों को सुरक्षा देने में नाकाम साबित हुआ है, इसके लिए उसे सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए।

नैशनल कॉलिजन फॉर मेन नाम के संगठन ने अपने ज्ञापन में पिछले हफ्ते हुई उस घटना का जिक्र किया है जिसमें महिला कोच में सफर कर रहे पुरुष यात्रियों की सिक्युरिटी स्टाफ ने पिटाई की।

ज्ञापन में कहा गया कि मेट्रो में कई बार महिला कोच में सीटें खाली होती हैं और बाकी के कोच में भीड़ ऐसी होती है कि पैर रखना भी मुश्किल लगता है। इनमें भी महिलाओं की संख्या काफी होती है।

सामान्य कोच में भी महिलाओं के लिए सीट रिजर्व हैं और वह जनरल सीट पर भी बैठती हैं। इससे पुरुषों को सीट मिलना लगभग नामुमकिन हो जाता है। इसके अलावा कई पैसेंजर महिला कोच को लेकर जागरूक नहीं हैं।

संगठन ने मांग की कि मेट्रो को महिला कोच को लेकर ज्यादा पब्लिसिटी करानी चाहिए जिससे पुरुषों को पता लग सके कि उन्हें महिला कोच में यात्रा नहीं करनी है।

Virag Dhulia, Rajesh Vakharia and 27 others recommend this. Undo

इस आर्टिकल को फेसबुक पर शेयर करें।
इस आर्टिकल को ट्वीट करें।

देश-दुनिया की खबरें विडियो में। देखने के लिए क्लिक करें।

About Us | Advertise with Us | Terms of Use | Privacy Policy | Feedback | Sitemap
Copyright © 2010 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights: Times Syndication Service
This site is best viewed with Internet Explorer 6.0 or higher; Firefox 2.0 or higher at a minimum screen resolution of 1024x768